मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MHD–023

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम. ए. हिन्दी) (एम.एच.डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

एम.एच.डी.–023 : मध्यकालीन कविता–01

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *प्रश्न संख्या 1 अनिवार्य है। शेष प्रश्नों में से किन्हीं* ***तीन*** *के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(क) रविदास मदुरा का पीजियै, जो चढ़ै चढ़ै उतराय।

नाव महारस पीजियै, जो चढ़ै नाहिं उतराय॥

(ख) चौक भये पानहि रंग राता। अंतरहिं लाग रहे जनु चाँता॥
अधर बहिर जो हँसे कुवारी। बिजरी लौक रैन अँधियारी॥
मुख भीत दीसै उजियारा। हीरा दसन करहिं चमकारा॥
सोन खाप जानु गढ़ धरे। जानु सूकर कर कोठिला भरे।
दारिंउ दाँत देखि रस आसा। भँवर पंख लागै जिंहिं पासा॥

(ग) गए स्याम रबि तनया कैं तट, अंग लसति चंदन की खोरी॥
औचक ही देखी तहँ राधा, नैन बिसाल भाल दिए रोरी॥
नील बसन फरिया कटि पहिरे, बेनी पीठि रुलति झकझोरी॥
संग लरिकिनी चलि इस आवति, दिन–थोरी, अति छवि तन–गोरी॥
सूर स्याम देखत हीं रीझै नैन–नैन मिलि परी ठगोरी॥

(घ) औचक दृष्टि परे कहूँ कान्ह जू तासौं कहै ननदी अनुरागी।
सो सुनि सास रही मुख मोरि जिठानी फिरै जिय में रिस पागी॥
नीके निहारि कै देखे न आँखिन हौं कवहूँ भरि नैन न जागी।
मो पछितावो यहै जु सखी कि कलंक लग्यो पर अंक न लागी॥

2. 'चंदायन' की भाषागत विशेषताओं का विवेचन कीजिए। 10

3. भक्तिकाल के प्रमुख कृष्णभक्त कवियों की चर्चा कीजिए। 10

4. संत रविदास की सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए। 10

5. सूफी काव्य-परंपरा की विवेचना कीजिए। 10

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×5=10

(क) रसखान की भाषा-शैली

(ख) सूर के काव्य में वात्सल्य

(ग) भक्तिकाल में मध्ययुगीनता

(घ) सहज-शून्य

× × × × ×